# कान्हा आवो तो मनड़े री बात करल्यॉ लिरिक्स

कान्हा आवो तो,
मनड़े री बात करल्यॉ,
थारी बातड़ल्यॉ में जीवड़ो,
निहाल करल्यॉ,
कान्हा आवो तों,
मनड़े री बात करल्यॉ,
आजा रे आजा रे,
मनमोहन प्यारा
आया सरसी,
मनड़े री प्यास को,
बुझाया सरसी,
मनड़े री प्यास को,
बुझाया सरसी,
कान्हा आवो तों,
मनड़े री बात करल्यॉ।bd।

तर्ज – बाबा आओ तो।

---

हे मनमोहन थारी,
ओल्यू घणीं आवे,
घड़ी भर भी अब,
रहयो नहीं जावे,
ऐ मारा मन रा जोगी,
क्यूँ नहीं आवे,
थारे आवणा सूं,
थारे आवणा सूं,
घड़ी भर रो साथ करल्यॉ,
थारे आवणा सूं,
घड़ी भर रो साथ करल्यॉ,
कान्हा आवो तों,
मनड़े री बात करल्यॉ।bd।

---

इण नैणा ने,
कुण समझावे,
याद आवे रे म्हारो,
हिवड़ो भर आवे,
कोई नहीं जो म्हारो,
दुखड़ो मिटावे,
म्हारे साँवरा ने

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

म्हारे सॉवरा ने,
हिवड़े रो हार करल्यॉ,
कान्हा आवो तों,
मनड़े री बात करल्यॉ।bd।

---

एक बार आजा प्यारा,
दरश दिखाजा,
बंशी बजा जा म्हारो,
दुखड़ो मिटाजा,
म्हारे सॉवरा पे,
म्हारे सॉवरा पे,
तन मन कुरबान करल्यॉ,
कान्हा आवो तों,
मनड़े री बात करल्यॉ।bd।

---

कान्हा आवो तो,
मनड़े री बात करल्यॉ,
थारी बातड़ल्यॉ में जीवड़ो,
निहाल करल्यॉ,
कान्हा आवो तों,
मनड़े री बात करल्यॉ,
आजा रे आजा रे,
मनमोहन प्यारा
आया सरसी,
मनड़े री प्यास को,
बुझाया सरसी,
मनड़े री प्यास को,
बुझाया सरसी,
कान्हा आवो तों,
मनड़े री बात करल्यॉ।bd।

स्वर – संत श्री अमृतराम जी महाराज।
**Upload By – Keshav**

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com